Drishti Mentorship Program Mains-2023

निबंध (ESSAY) - 10

निर्धारित समय: 3 घंटे
Time allowed: 3 Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Praduman kumar **Mobile Number:**

Medium (English/Hindi): Hindi **Email:**

Center & Date: Mukharjinagar 22/08/23 **UPSC Roll No.:** 0811492

प्रश्नपत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिये।

उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Answer Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Answer Booklet must be clearly struck off.

	निबंध विषय संख्या (Essay Topic No.)	अंक (Marks)
खंड-A Section-A	01	58
खंड-B Section-B	05	62
सकल योग (Grand Total)		120

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

- You are doing well, keep it up.

Best wishes

खंड-A/SECTION-A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. कोई भी संविधान अपने आपमें पूर्ण न्याय नहीं प्रदान कर सकता।
   No constitution by itself achieves perfect justice.
2. संतोष प्राकृतिक धन है; विलासिता कृत्रिम गरीबी है।
   Contentment is natural wealth; luxury is artificial poverty.
3. अकेलापन स्वयं की गरीबी है; एकांत स्वयं की समृद्धि है।
   Loneliness is the poverty of self; solitude is richness of self.
4. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से हम राक्षस को बुला रहे हैं।
   With Artificial Intelligence, we are summoning the demon.

Concept I   Concept II

कोई भी संविधान अपने आपमें पूर्ण न्याय नहीं प्रदान कर सकता।

अमेरिकी संविधान विश्व का सबसे पुराना संविधान है। जो अमेरिकी क्रांति के बाद अमेरिका के ब्रिटेन से स्वतंत्र होने के बाद निर्मित हुआ। आगे विश्व के अन्य देशों ने भी इससे प्रभावित होकर संविधान का निर्माण किया। अमेरिकी संविधान की ही झलक लगभग विश्व के सभी देशों के संविधान में परिलक्षित होती है।

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

भारतीय परिपेक्ष्य में देखे तो स्वतंत्रता के बाद भारतीय संविधान का निर्माण किया गया जो विभिन्न देशों की विशेषताओं को ग्रहण कर बना था। इसमें ब्रिटेन से संसदीय प्रणाली, फ्रांस से समता, स्वतंत्रता बंधुत्व एवं अमेरिका से मूल अधिकार को ग्रहण किया है।

भूमिका अप्रासंगिक प्रतीत हो रही है, सुधार करें

आइये अब संक्षेप में संविधान की अवधारणा को समझते है। संविधान एक पुस्तक की भाँति होता है जिसमें देश के शासन संचालन सम्बंधी नियम, कायदे, कानून का उल्लेख होता है। जिसका मुख्य देश की जनता का उद्धार एवं विकास करना होता है।

किन्तु यह आधुनिक अवधारणा नहीं है प्राचीन काल से ही संविधान की परम्परा रही है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

अशोक द्वारा राज्य के संचालन में धम्म नीति का पालन करना भी एक तरीके से संविधान के अनुसार शासन चलाना था जिसमें नैतिक शासन, जनता का कल्याण, निष्पक्ष न्याय आदि को बढ़ावा दिया गया था।

आइये अब पूर्ण न्याय की अवधारणा को समझते हैं। "पूर्ण न्याय से तात्पर्य व्यक्ति एवं जनता के चहुँमुखी विकास हेतु सभी क्षेत्रों में यथा पर्यावरण, सामाजिक, लैंगिक आदि में पूर्ण रूप से समानता है। जिसमें किसी भी नागरिक को कोई समस्या न हो तथा वह अपने अनुसार जीवन यापन कर सके।

किन्तु यह बात विवादास्पद है कि संविधान अपने आप में पूर्ण न्याय प्रदान कर सकता है या नहीं। आगे हम निबंध के इन

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

पहलुओं पर विचार करेंगे कि संविधान कहाँ तक पूर्ण न्याय प्रदान कर सका है और कहाँ तक नहीं।

संविधान की अवधारणा में ही इसको दो प्रकार का माना जाता है। धार्मिक एवं धर्मनिरपेक्ष। जैसे विभाजन के बाद पाकिस्तान ने स्वयं को इस्लामिक राज्य घोषित किया वहीं भारतीय संविधान स्वा० धर्मनिरपेक्षता को मानता है। जो भारत में धार्मिक समानता एवं अनेकता में एकता को पोषित करता है।

इसका लिंक नहीं है & ऊपर व नीचे के पैराग्राफ में

कोई भी संविधान अपने आपमें पूर्ण न्याय प्रदान नहीं कर सकता है उसमें कुछ न कुछ समस्या रही जाती है या फिर बदलते समाज

को भी स्पष्ट करें।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

के साथ कुछ प्रावधान अप्रासंगिक हो जाते है जैसे दुनिया के ~~प्राचीन~~ पुराने (USA) संविधान अमेरिका में भी शुरुआत में महिलाओं को अधिकार नहीं दिये गये थे न ही दासों को अधिकार दिये गये थे। बदलते समय के साथ संविधान में संशोधन किया गया तथा दासों एवं महिलाओं के साथ पूर्ण न्याय करते हुए उन्हे भी अधिकार दिये गये।

भारत में प्राचीन काल से निम्न जाति के वंचित नागरिकों का शोषण किया गया है स्वतन्त्रता के बाद उन्हे समानता, स्वतन्त्रता का अधिकार दिया गया तथा उनके उत्थान के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई किन्तु यह उनके लिये पूर्ण न्याय प्रदान नहीं कर रहा है अभी भी देश में दलितों में विभिन्न अनेकों घटनाएं होती है।

1973 का बेलछी काण्ड हो या 2015 का बालेपा काण्ड जिसमें दलित बालकों

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

का बलात्कार कर मार दिया गया था। जो दिखाता है कि अभी भी उन्हें पूर्ण न्याय नहीं मिल सका है।

आगे यदि महिलाओं की बात करे तो महिलाओं को मताधिकार, समानता का अधिकार, एवं उनके सशक्तिकरण के लिये अनेकों प्रावधान है जिससे महिलाओं की स्थिति सुधरी है किन्तु आज भी महिलाओं के प्रति अपराधीकरण, यौन शोषण एवं बाजारीकरण की प्रवृत्ति बढ़ी है। तथा महिलाएं आज भी ग्रामीण स्तर पिछड़ी हुई है। बाल विवाह एवं पर्दा प्रथा जैसी कुरीतियां अभी भी व्याप्त है।

पर्यावरणीय संदर्भ में देखें तो संविधान में नीति निदेशक तत्वों में पर्यावरणीय संरक्षण का प्रावधान किया है तथा शुद्ध वायु एवं स्वच्छ पर्यावरण

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

का अधिकार मूल अधिकार बनाया है। उसके बाद भी पर्यावरणीय स्तर पर पर्यावरण के प्रति पूर्ण न्याय के विपरीत दोहन को बढ़ावा मिला है।

आधुनिक संविधान की मूल विशेषता की बात करें जो कि लोकतंत्र है जिसमें जनता का, जनता के द्वारा, जनता के लिए शासन माना जाता है वह भी बड़े-2 पूंजीपतियों, धनी व्यापारियों का ही तंत्र रह गया है। इस संदर्भ में प्रेमचंद ने कहा भी है कि धन नई सभ्यता का आधार धन है। लोकतांत्रिक चुनाव पद्धति में सिर्फ अमीर वर्ग ही चुनाव लड़ता है नागरिक तो सिर्फ मत डालते हैं।

धर्मनिरपेक्षता किसी भी देश की शांति, बंधुत्व एवं सुरक्षा के लिए अनिवार्य होती है जिसको संविधान में पूर्ण न्याय के लिए जरूरी माना

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

गया है किन्तु आज भी देश में साम्प्रदायिक दंगो जैसे मुजफ्फरनगर दंगों, गुजरात बोगी जलाने की घटना से अराजकता एवं बंधुत्व की भावना को ठेस पहुंचाता है

निबंध के दूसरे पहलू अर्थात संविधान पूर्ण न्याय प्रदान कर सकता है पर विचार करते हैं कि संविधान ने कहा तक देश में न्याय की अवधारणा को बनवा दिया है

संविधान अपने आपमें नागरिकों को पूर्ण न्याय प्रदान करने का अनिवार्य प्रावधान करता है तथा बदलते समाज के साथ स्वयं को भी समाज के अनुसार ढालता है। जैसे तीन तलाक जैसी अमानवीय प्रथा को प्रतिबंधित करना हो समलैंगिगता को कानूनी रूप

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)
drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

प्रदान करना है संविधान बदलते समय के साथ नागरिकों को पूर्ण न्याय देने का प्रयत्न करता है।

संविधान ने सभी को पूर्ण एवं समानता पूर्ण अधिकार अधिकार दिये हैं: समानता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, महिलाओं को समान वेतन समान भागीदारी का अधिकार अनुसूचित जाति जनजाति के उत्थान के लिए पाँचवी, छठी अनुसूची का प्रावधान।

स्वतंत्र न्यायपालिका एवं सभी के लिए समान कानून राष्ट्र को एकसूत्र में बांधने एवं पूर्ण न्याय प्रदान करने की दिशा में एक कदम है। समाज में किसी भी वर्ग पर हुये अन्याय के लिये, न्यायपालिका है जो सबको सबको समान रूप से न्याय प्रदान करती है। जो समाज में पूर्ण न्याय की अवधारणा को बनाता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

महिलाओ के सशक्तिकरण के लिए संविधान प्रतिबद्ध है तथा अपनी तरफ से लैंगिंग समानता पर आधारित है। महिलाओं को न्यायपालिका, विधायिका एवं कार्यपालीका में समान अधिकार दिये है। इस प्रकार संविधान अपनी ओर से पूर्ण न्याय प्रदान कर रहा है।

इसी प्रकार बच्चों के विकास एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिये निशुल्क शिक्षा का प्रावधान है साथ ही साथ राज्य के नीति के निदेशक तत्वों में इसे राज्य का कर्तव्य बताया गया है।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद (25-28) इसे धर्मनिरपेक्ष घोषित करते है जो बहुसंख्यक एवं अल्पसंख्यक को समान रूप से एवं पूर्ण न्याय प्रदान करता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

संविधान ने सभी को पूर्ण न्याय प्रदान करने के लिए अनेको प्रावधान किये है किन्तु फिर यह पूर्ण न्याय का सपना साकार नहीं हो पाया है आइये समझते है ऐसे कौनसे कारण है जो संविधान द्वारा प्रदान किये गये पूर्ण न्याय के मार्ग में बाधा उत्पन्न करते है।

Essay का मूल भाग इसको विस्तार दीजिए।

समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार, गरीबी, पितृसत्तात्मक सोच, शासन को जाति एवं धर्म आधार पर चलाना, महिलाओं की निम्न स्थिति, पिछड़ापन, आर्थिक कमजोरी जैसे कुछ कारक है जो समाज में पूर्ण न्याय का सपना साकार होने में बाधा उत्पन्न करते है। इनके निवारण के पश्चात ही संविधान के मूल उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सकेगा।

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

अतः इन सबके निराकरण के लिए देश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देना चाहिए। साथ ही जनता को संविधान द्वारा प्रदान किये अधिकार के बारे में जागरूक कर सशक्त बनाना चाहिए।

सूचना का अधिकार, नागरिक घोषणा पत्र, निष्पक्ष शासन, स्वतंत्र न्यायपालिका के माध्यम से जनता को सशक्त बनाया जाना चाहिए। साथ ही जनता को शासन एवं संविधान के पूर्ण जानकारी उपलब्ध होनी चाहिए क्योंकि कहते हैं कि जिन्हे वास्तविक एवं भरोसेमंद जानकारी नहीं मिल पाती उनकी स्वतंत्रता खतरे में है।

अतः संविधान निर्माताओं के सपने को साकार करने

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

हेतु एवं पूर्ण न्याय का जो स्वप्न उन्होंने देखा था था उसे प्राप्त करने हेतु हम सबको प्रयत्नशील होना पड़ेगा। तथा जनता एवं शासन के बीच की दूरी को कम करते हुये, जमीनी स्तर पर पूर्ण न्याय को पहुँचाना ही प्राथमिक कर्तव्य होना चाहिए।

58/125

→ क्यों? पक्ष को विस्तारित करें

→ अगर संविधान, पूर्ण न्याय उपलब्ध नहीं कराता फिर भी, अधिकांश प्रगतिशील देशों द्वारा इसे ही क्यों अपनाया गया है?

→ आपको टॉपिक का ज्ञान है किंतु आपने Essay की framing सही से नहीं की इसलिए प्रवाह बाधित हुआ है, इसे सुधारें।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

5. एक अच्छा नेता अपने हिस्से के दोष से थोड़ा अधिक, अपने हिस्से के श्रेय से थोड़ा कम लेता है।
A good leader takes a little more than his share of the blame, a little less than his share of the credit.

6. खुशी का रहस्य स्वतंत्रता है और स्वतंत्रता का रहस्य साहस है।
The secret of happiness is freedom and the secret of freedom is courage.

7. कृषि दुनिया का सबसे बड़ा स्वास्थ्य देखभाल विज्ञान है।
Agriculture is the greatest health care science in the world.

8. आपका समय सीमित है, इसलिए इसे किसी और का जीवन जीकर बर्बाद न करें।
Your time is limited, so don't waste it living someone else's life.

एक अच्छा नेता अपने हिस्से के दोष से थोड़ा अधिक, अपने हिस्से के दोष से थोड़ा कम लेता है।
श्रेय

अशोक 273 ई० पू० में गद्दी पर बैठा जिसे विरासत में विस्तृत मौर्य साम्राज्य प्राप्त हुआ। अपने पूर्वजों के कदमों पर चलते हुए उसने ई० पू० 261 में कालिंग युद्ध किया जिसमें लाखों लोग मरे। किन्तु उस समय पर साम्राज्य विस्तार के लिए युद्ध होना, सैनिकों का मरना

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

आम बात थी, फिर भी अशोक ने इस युद्ध के दोष को, अपने ऊपर लिया तथा कभी युद्ध न करने की सौगंध ली।

उसके बाद अशोक धम्म नीति का पालन करते हुए नैतिक आधारित शासन करने लगा, जनता की भलाई एवं उत्थान को अपने जीवन का कर्तव्य माना स्वयं को जनता का पिता माना तथा जनता को संतान रूपी प्रेम किया है। किन्तु अशोक ने इस नैतिक कार्य के लिए कभी स्वयं को श्रेय नहीं दिया वरन इसको वह अपना कर्तव्य मानता था। → इसको ISRO, ~~साराभाई~~ की कहानी से भी शुरू कर सकते हैं।

यह कहानी हमें एक अच्छे नेता, मार्गदर्शक, राजा एवं गुरु के सब गुणों की ओर इशारा करती है कि अच्छा

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

नेता सदैव कर्तव्य के प्रति जवाबदेह एवं कम श्रेय लेने वाला होना चाहिए।

अब यहाँ एक अच्छे नेता को समझना जरूरी है। अच्छे नेता का तात्पर्य सिर्फ राजनीतिक नेता ही नहीं होता है। वरन यह धार्मिक भी हो सकता है। मार्गदर्शक भी हो सकता है समाजसेवी, व्यवसायी, एवं स्वतंत्रता सेनानी एवं हर वह व्यक्ति जो नेतृत्व करता हो हो सकता है।

आइये अब निबंध के अन्य शब्दों दोष से अधिक, श्रेय से कम को समझते हैं। अपने हिस्से के दोष से अधिक के रूप में हम कर्तव्य एवं जोखिम के प्रति जवाबदेही को लेते हैं, कि व्यक्ति को अपने कार्य के प्रति जवाबदेह होना चाहिए।

उम्मीदवार को हाशिये में नही चाहिये। (Candidate m write on this

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

वहीं श्रेय से कम लेना का तात्पर्य मानते हैं अपने कार्यों के प्रति अधिक वाहवाही की अपेक्षा न करते हुए निरंतर अपने कार्य में संलग्न रहना एवं स्वयं को कार्य के प्रति अधिक कुशल बनाना है।

दोष से अधिक लेने एवं जवाबदेही पूर्ण रहने से व्यक्ति समाज एवं कर्तव्य के प्रति एकनिष्ठता से भरा रहता है। नेता में भी यह होना चाहिए कि वह निष्पक्ष, जवाबदेहपूर्ण होके कार्य करे ताकि उसके कार्य को जनता में अधिक स्वीकृति मिल सके उसके प्रति जनता के विश्वास में बढ़ोत्तरी हो सके।

जैसे लाल बहादुर शास्त्री ने रेल मंत्री रहते हुए जब उनके

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कार्यकाल में रेल दुर्घटना हुई तो उन्होंने इसे अपने हिस्से से अधिक दोष लेते हुए मंत्रीपद से त्यागपत्र दे दिया, तथा वही भारत को खाद्य संकट से बाहर निकालने पर उन्होंने स्वयं को कम श्रेय देते हुए इस देश को जनता एवं किसानों को इसका श्रेय दिया।

good

ऐसा ही एक उदाहरण स्वाधीनता आन्दोलन के दौरान दिखता है जब भगतसिंह ने केन्द्रीय विधान सभा बम फोड़ा, जिससे किसी को भी जान माल की हानि नहीं हुई, फिर भी स्वयं को पूर्ण जवाबदेही मानते हुए शांतिपूर्वक स्वयं को पुलिस के हवाले किये जबकी उनके पास भागने का विकल्प भी मौजूद था।

जवाबदेही नहीं; It was they way of spreading their message

उद्देश्य दूसरा था

एक नेता, मार्गदर्शक में यह जवाबदेही का गुण होना अपरिहार्य

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

होता है। शासन के क्षेत्र में यह गुण होने से शासन में पारदर्शिता आती है तथा जनता शासन व्यापार नागरिक उन्मुख होता है। नागरिक कल्याण को बढ़ावा मिलता है। सम्पूर्ण देश प्रगति करता है।

कम श्रेय लेना का गुण व्यक्ति को निरंतर प्रयत्नशील एवं अधिक कुशल होने हेतु प्रेरित करता है। ऐसा व्यक्ति अपने कार्यों को अधिक लगन, कुशलता से करता है। जिस प्रकार गांधी जी कभी भी अपने कार्यों, आन्दोलन के लिए श्रेय नहीं लिया इसलिए अफ्रीका से शुरू हुआ आंदोलन निरंतर चलता रहा तथा उसी रूप में भारत में अनेकों आंदोलन का नेतृत्व किया।

गांधी जी में जवाबदेही एवं कम श्रेय लेने का गुण का सम्मिलित रूप विद्यमान है। चौरी चौरा काण्ड में जवाबदेही ग्रहण करना एवं नील आंदोलन

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

में कोई श्रेय न लेना। उसी प्रकार स्वतंत्रता आंदोलन में मुख्य भूमिका के साथ, स्वतंत्रता आंदोलन पश्चात कोई भी राजनीतिक पद न लेना, श्रेय कम लेना ही है। इन्हीं गुणों ने गांधी जी को देश का सर्वश्रेष्ठ नेता माना है।

इन गुणों का होना व्यक्ति को महान बना देता है तथा पूजनीय भी बना देता है। भारत के पौराणिक मिथक में भगवान राम द्वारा दशरथ के कहने पर 14 वर्ष का वनवास लेना पिता के पिता जवाबदेही है वही रावण को मारकर अधर्म नाश करने में स्वयं को कोई श्रेय न लेना जैसे गुण ही राम के प्रति श्रद्धाभाव उत्पन्न करते हैं।

जवाबदेही एवं श्रेय कम लेने जैसे गुणों के अभाव में

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कोई भी नेता तानाशाही, क्रूरता एवं अराजकता को बढ़ावा देता है। जैसे नेपोलियन द्वारा जनता के विकास के प्रति जवाबदेह न होना, सैनिकों की मृत्यु पर जवाबदेह न होना एवं सैनिक विजय पर बढ़ चढ़कर भाग लेने से ही तानाशाही को भी बढ़ावा मिला।

इसी प्रकार जवाबदेही एवं उत्तरदायित्व जैसे गुणों से दूर हिटलर ने अपने गैर जवाबदेह रवैया के कारण विश्व को द्वितीय विश्व युद्ध की आग में झोंक दिया। जिससे पूरे विश्व में हिंसा, मौतें हुई।

इसी संदर्भ में कौटिल्य ने भी शासक को जनता

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

के प्रति जवाबदेह पूर्ण माना है उन्होंने कहा है जिस देश की जनता कच्चे मकानों, झोपडीयों में रहती हो, उस देश के शासक को महलों में रहने का कोई अधिकार नहीं है।
शासक को जनता के प्रति उत्तरदायित्व माना है।

वर्तमान संदर्भ में देखें तो सिविल सेवक जो प्रशासक कि भूमिका निभाते है। तथा सरकारी नीतियों एवं संवैधानिक मूल्यों के जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन के लिए उत्तरदायित्व पूर्ण होते है उनमें जवाबदेही जैसी गुणों का अनिवार्य होना है तभी वे जनता के प्रति अधिक अनुरूप हो सकेगे।

जनता एवं शासन के बीच की डोरी को कम में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है अतः सिविल सेवकों में

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

जवाबदेही जैसे नैतिक गुणों का होना जरूरी है जवाबदेही से अन्य नैतिक गुण जैसे - ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, उत्तरदायित्व एवं पारदर्शिता का विकास होता है एवं शासन में शुचिता आती है।

राजनीतिक संदर्भ में देखे तो राजनीति लोकतंत्र की धूरी होती है जिसे में जनता की आकांक्षाओं, को साकार रूप देने एवं देश की आर्थिक एवं सामाजिक वृद्धि के लिए भी राजनेता जैसे विधायक, सांसद, मंत्री आदि में जनता के प्रति जवाबदेहीपूर्ण होना चाहिए तथा किसी भी सरकारी योजना के क्रियान्वयन में कम समय लेते हुए सिर्फ जनता के कल्याण को अपना लक्ष्य बनाना चाहिए।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वर्तमान के वैश्वीकृत विश्व में जब सम्पूर्ण विश्व की गाँव कौति व्यवस्था का रहा है ऐसे में दुनिया के विभिन्न नेता, एवं अर्थव्यवस्था एक दूसरे से अंतर्संबंधित है तो जवाबदेही का भी विस्तार हो गया है क्योंकि एक देश की नीति दूसरे देश के नीति को प्रभावित करती है। जैसे वर्तमान रूस-यूक्रेन युद्ध एक अर्थ में जवाबदेही के अभाव का ही परिणाम है। तथा युद्ध से उत्पन्न समस्या से पूरा विश्व प्रभावित है। जैसे खाद्य, तेल, महंगाई, राजनीतिक तनाव आदि।

समग्र रूप में कहे तो एक नेता को चाहे वो किसी क्षेत्र में हो जैसे राजनैतिक, धार्मिक, व्यापारिक

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 1st & 2nd Floor, Property No-47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur
Phone: 011-47532596, 8750187501 :: e-mail: help@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

मार्गदर्शक आदि सभी में अपने कर्तव्य के प्रति जवाबदेही का होना एवं अपने कार्य से उत्पन्न लाभ के प्रति न्यून श्रेय लेते हुए निरंतर कार्य करते रहना ही एक अच्छे नेता का गुण होता है। इन गुणों से संपन्न व्यक्ति ही समाज ~~व~~ ही में को नयी दिशा दे सकता है।

62/125

→ उदाहरणों की प्रासंगिकता का ध्यान रखें

उम्मीदवार को हाशिये में न लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation